



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें..... 951151254

## हमें कतर मत समझना, धुनाई कर दूंगा: ईरान जंग के बीच पाकिस्तान ने इजरायल को क्यों धमकाया

ईरान जंग के बीच पाकिस्तान ने अमेरिका के दोस्त इजरायल को धमकाया है. पाकिस्तान ने साफ-साफ चेतावनी देकर कहा कि वह कतर नहीं है जो चुपचाप बैठ जाएगा. अगर उसके नागरिकों को कुछ हुआ तो करारा जवाब देगा और बुरी तरह पीटेगा. जी हां, इस्लामाबाद ने इजरायल को अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर कड़ी चेतावनी दी है. पाकिस्तान ने कहा है कि उसके अधिकारियों को ईरान या किसी भी अन्य देश में कोई भी खतरा हुआ तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा और हम बुरी तरह धुनाई कर देंगे. दरअसल, ईरान की राजधानी तेहरान में पाकिस्तान दूतावास के पास इजरायल-अमेरिका की ओर से किए गए हमले के बाद इस्लामाबाद ने यह चेतावनी जारी की है. पाकिस्तान स्ट्रैटेजिक फोरम की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'इजरायल को याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान कतर नहीं है. अगर हमारे किसी भी राजनयिक को दुनिया में कहीं भी नुकसान पहुंचा तो हम उन्हें बहुत मारेंगे.' यह धमकी ऐसे समय आई



है, जब गुरुवार को इजरायल और अमेरिका ने तेहरान के मध्य इलाकों में हवाई हमले किए. इनमें पाकिस्तान के राजदूत के निवास और पाकिस्तानी दूतावास के पास के इलाके भी शामिल थे. शुरूआती जानकारी के मुताबिक, दूतावास परिसर और पाकिस्तानी राजनयिक स्टाफ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन आसपास की कई इमारतें धमाकों की वजह से बुरी तरह हिल गईं.

**28 दिन से जारी है ईरान जंग**  
पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध 28वें दिन में पहुंच गया है. तेहरान, काशान और अबादान में कई

कोशिश में जुटा है. पाकिस्तानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर दोनों पक्ष चाहें तो इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मेजबानी करने को तैयार है।

**ट्रंप ने बढ़ाई डेडलाइन**  
इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह एक बार फिर ईरान को होमर्जुज जलडमरूमध्य खोलने की डेडलाइन बढ़ा रहे हैं. ट्रंप ने नई डेडलाइन 6 अप्रैल तक दी है. उन्होंने कहा कि इस दौरान हमला नहीं होगा. अगर ईरान बात नहीं मानता है और होमर्जुज नहीं खोलता है तो ईरान के पावर प्लांट्स पर बड़ा हमला किया जाएगा।

**6 अप्रैल तक की डेडलाइन**  
राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'बातचीत जारी है और फेक न्यूज मीडिया व अन्य लोगों के उल्टे बयानों के बावजूद सब कुछ ठीक चल रहा है.' उन्होंने बताया कि अब डेडलाइन 6 अप्रैल कर दी गई है. ईरान का कहना है कि होमर्जुज जलडमरूमध्य मित्र देशों के लिए खोला है और उसने वांछित नुकसान के साथ किसी भी तरह की बातचीत की खबरों को खारिज किया है।

## साक्षिप्त खबरें

**डिपॉजिट स्कीम के नाम पर चलाया था बड़ा खेल, श्वष्ट ने जल्द की 3.46 करोड़ की संपत्ति**



प्रवर्तन निदेशालय (ED) कि मुंबई सूनिट ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3.46 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच किया है. यह कार्रवाई 26 मार्च 2026 को की गई, जो कि Dnyanraha Multistate Co-operative Credit Society Ltd (DMCCSL) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है. बताया जा रहा है कि जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, वे नवी मुंबई के खारघर इलाके में स्थित ऑफिस यूनिट्स हैं. यह मामला महाराष्ट्र के अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज कई FIR के आधार पर शुरू हुआ था. आरोप है कि सुरेश कुटे और उनके सहयोगियों ने DMCCSL के जरिए लोगों को 12% से 14% तक का आकर्षक रिटर्न देने का लालच दिया. बड़ी संख्या में निवेशकों ने इस स्कीम में पैसा लगाया, लेकिन बाद में उन्हें या तो पैसा नहीं मिला या आंशिक धुगाना ही किया गया।

**निवेशकों को लुटने के खिलाफ एक्शन**

ED की जांच में सामने आया कि करीब 2,467 करोड़ रुपये की बड़ी रकम को लोन के नाम पर कुटे ग्रुप की कंपनियों में ट्रांसफर किया गया. इन कंपनियों को सुरेश कुटे और उनकी पत्नी अर्चना कुटे कंट्रोल कर रहे थे. चौकाने वाली बात यह है कि ये लोन बिना किसी ठोस कागजात, गारंटी या सही इस्तेमाल के सबूत के दिए गए थे। बाद में इस पैसे का इस्तेमाल निजी फायदे और दूसरे बिजनेस में किया गया।

**अब तक 1,625 करोड़ की संपत्ति जप्त**

ED अब तक इस मामले में कई बार छापेमारी कर चुकी है और कई संपत्तियों को अटैच कर चुकी है. कुल मिलाकर अब तक करीब 1,625 करोड़ रुपये की संपत्तियां जप्त या फ्रीज की जा चुकी हैं. इस मामले में पहले ही सुरेश कुटे को गिरफ्तार किया जा चुका है और उनके खिलाफ मुंबई की विशेष PMLA अदालत में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है. हाल ही में 2 मार्च 2026 को अर्चना कुटे को भी गिरफ्तार किया गया, जिन्हें 7 मार्च को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

## नैतिकता अलग लेकिन विवाहित पुरुष का लिव इन में रहना अपराध नहीं- इलाहाबाद हाई कोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट का लिव इन रिलेशनशिप को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. हाईकोर्ट ने कहा है कि एक शादीशुदा पुरुष का लिव-इन रिलेशनशिप में रहना कोई अपराध नहीं है. कोर्ट ने कहा कि सामाजिक नैतिकता नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के कोर्ट के कर्तव्य पर हावी नहीं हो सकती, याचिका दाखिल कर लिव इन में रह रहे शादीशुदा कपल के लिए सुरक्षा की मांग की थी. जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई. याचिका में कहा गया था कि कपल को महिला के परिवार से धमकियां मिल रही हैं. महिला के परिवार के वकील ने दलील दी कि चूकि वह व्यक्ति पहले से ही शादीशुदा है, इसलिए किसी दूसरी महिला के साथ रहना उसके लिए एक अपराध है, हालांकि, कोर्ट ने टिप्पणी की कि कानून को सामाजिक नैतिकता से अलग रखा जाना चाहिए. कोर्ट ने कहा, 'ऐसा कोई अपराध नहीं है जिसके तहत कोई शादीशुदा व्यक्ति किसी व्यक्ति के साथ आपसी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा है, ऐसे व्यक्ति को किसी भी तरह के अपराध के लिए अभियोजित किया जा सके. कोर्ट ने कहा कि नैतिकता और कानून को अलग-अलग रखा जाना चाहिए।



अपराध नहीं बनता है, तो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट की कार्रवाई को सामाजिक राय और नैतिकता निर्देशित नहीं करेगी. कोर्ट ने कहा कि महिला ने एसएसपी शाहजहांपुर को पहले ही एक एप्लीकेशन दी है, जिसमें कहा गया है कि वह बालिंग है और अपनी मर्जी से उस आदमी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही है. कोर्ट ने यह भी कहा कि उसके माता-पिता और परिवार के दूसरे सदस्य उनके रिश्ते के खिलाफ हैं. उन्होंने उसे जान से मारने की धमकी दी है, और दोनों को ऑन किलिंग का डर है. कोर्ट ने कहा कि एसएसपी ने इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की है. साथ रहने वाले दो व्यक्तियों की सुरक्षा करना पुलिस का कर्तव्य है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक पर विशेष दायित्व है. जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने शक्ति वाहिनी बनाम भारत संघ और अन्य, (2018) 7 S C 192 मामले में कहा था।

**हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जारी**

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले चंडीगढ़ में देंगे 'भारतीय नैरेटिव' पर विशेष व्याख्यान

भारतीय चिंतन, संस्कृति और समकालीन वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण बौद्धिक संवाद के रूप में पंचदश रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा 27 मार्च 2026, शुक्रवार को सायं 3:30 बजे एन.आई.टी.टी.टी.आर. ऑडिटोरियम, सेक्टर-26, चंडीगढ़ में एक विशेष व्याख्यान का रहा। कार्यक्रम का विषय 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय विमर्श' था, जो वर्तमान समय में भारतीय विचारधारा की भूमिका और उसके वैश्विक प्रभाव को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।



इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा की युद्ध की कहानी रम्य होती है लेकिन शुद्ध प्रत्यक्ष करना अच्छा नहीं लगता है। जो युद्ध शुरू करता है वही युद्ध बंद करने की बात करता है यह भी देखने को आज का दिन में मिलता है। रामायण से पूरा विश्व विचार शुद्ध और आचरण शुद्ध सिख सकता है। रामायण पुस्तकों में नहीं है धर्म आचरण में है। भारत की संस्कृति और सभ्यता में उपलब्ध है। ताकतवर देश होने के बावजूद भारत ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया।

**किया नोटिस**

कोर्ट ने कहा कि इस याचिका के साथ दोनों याचिकाकर्ताओं का संयुक्त हलफनामा भी लगा है. कोर्ट ने यह निष्कर्ष निकाला कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है. हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 8 अप्रैल के लिए नोटिस जारी किया. कोर्ट ने उस जोड़े को अपहरण के एक मामले में भी सुरक्षा प्रदान की, जो महिला के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पंजीकृत किया गया था हाईकोर्ट के अगले आदेशों तक, याचिकाकर्ताओं अनामिका और नेत्रपाल की गिरफ्तारी पर रोक लगाई, याचियों के खिलाफ शाह जहांपुर के जैतीपुर थाने में केस क्राइम नंबर 4/2026 में एफआईआर दर्ज है, बीएनएस, 2023 की धारा 87 के तहत एफआईआर दर्ज है. कोर्ट ने ने महिला के परिवार को इस जोड़े को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाने से रोक दिया. उन्हें उनके घर में प्रवेश करने या उनसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने से भी प्रतिबंधित किया गया है. कोर्ट ने यह भी कहा कि एसएसपी शाहजहांपुर के कपल की सेफ्टी और सिस्कोरिटी के लिए पर्सनली जिम्मेदार होंगे, याचियों की तरफ से एडवोकेट शंशाह अख्तर खान ने केस लड़ा. एडिशनल गवर्नमेंट एडवोकेट घन श्याम कुमार स्टेट की तरफ से पेश हुए. एडवोकेट अजय कुमार मिश्रा एक प्राइवेट रेस्पोण्डेंट की तरफ से पेश हुए।

## स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की बढ़ंगी मुश्किलें, HC के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद की मुश्किलें फिर बढ़ सकती हैं. इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है. बता दें कि नाबालिग बेटों के साथ कथित यौन शोषण और पॉक्सो एक्ट के मामले में शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. बता दें कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायिल की है. इसमें मांग की गई है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद को दी गई अग्रिम जमानत को तत्काल रद्द किया जाए. दरअसल आशुतोष ब्रह्मचारी के वकीलों का तर्क है कि हाईकोर्ट ने जमानत मंजूर करते समय कानूनी तथ्यों और साक्ष्यों को नजरअंदाज किया है, जिसे आलोचना के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। कार्यक्रम में पंचनद की अध्यक्ष प्रोफेसर ब्रज किशोर कुटियाला भी उपस्थित रहे।

## दुष्कर्म में मदद के लिए महिला दोषी करार, दिल्ली HC ने सुनाई 10 साल के कठोर कारावास की सजा

●दोषी पर 70 हजार का जुर्माना लगाया, जुर्माना राशि में से 50 हजार पीड़िता को देने का निर्देश

●पांच वर्षीय बच्ची के देखभाल के आधार पर सजा में नरमी की मांग को अदालत ने टुकड़ाया



नई दिल्ली। दुष्कर्म में सहायता करने के आरोप में एक महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा में नरमी न बरतने का मुद्दे पर आयातिका गतिविधियों में उसकी निरंतर सलिसता को बताया है। महिला के बरी के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पुलिस की अपील याचिका पर कोर्ट ने माना कि दोषी ने अपराध में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अदालत ने पाया कि उसने पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और दुष्कर्म के दौरान वहां मौजूद रही। इसके साथ ही उसने बाद में उसे धमकाया भी। 70,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया उक्त टिप्पणियां करते हुए अदालत ने तथ्यों के आधार पर महिला को भारतीय दंड संहिता की धारा-×76 के तहत 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई और

## पश्चिम एशिया युद्ध के बीच खाद आपूर्ति सुरक्षित, आयात निर्भरता घटाने पर जोर, लोकसभा में बोले जेपी नड्डा



नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच केंद्र सरकार ने साफ किया है कि देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। केंद्र ने राज्यों के कृषि मंत्रियों से बातचीत कर स्थिति स्पष्ट कर दी है कि खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त तैयारी है। भारत अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसलिए जोखिम कम करने के लिए नए बाजारों और स्रोतों की तलाश तेज कर दी गई है। साथ ही दीर्घकालिक समझौते एवं विभिन्न देशों से करार के माध्यम से कच्चे माल की आपूर्ति को सुरक्षित किया जा रहा है। पर्याप्त बफर स्टॉक है। आयात निर्भरता कम करने और मिट्टी की सेहत सुधारने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

**युद्ध के साथे में भी खाद की कमी नहीं- नड्डा**

रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बाधाओं और शिपिंग मार्गों में व्यवधान के बावजूद देश में उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पहले से रणनीति बनाई जा चुकी है। आंकड़े बताते हैं कि भारत कई अहम कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर है। फॉस्फेट का लगभग 86 प्रतिशत, सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। पोषक तत्व आधारित सस्मिडी योजना के तहत नए डीएपी और एनपीके संयंत्र लगाए जा रहे हैं, जिनकी कुल क्षमता करीब 59.65 लाख मीट्रिक टन होगी। साथ ही फॉस्फोरिक और सल्फ्यूरिक एसिड के संयंत्र भी स्थापित किए जा रहे हैं। हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत उर्वरक क्षेत्र के लिए ग्रीन अमोनिया की खरीद की

## स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की बढ़ंगी मुश्किलें, HC के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती



इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य को अग्रिम जमानत दी थी. कोर्ट ने शतों के साथ गिरफ्तारी से राहत दी थी। **क्या है पूरा मामला और आरोप?** आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया था कि माघ मेला 2026 और महाकुंभ 2025 के दौरान मठ में रहने वाले नाबालिग बेटों का यौन उत्पीड़न किया गया. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रयागराज की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था. जिसके बाद झूठी फिलहाल सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं. अगर सुप्रीम कोर्ट इस याचिका को स्वीकार कर सुनवाई करता है, तो ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के लिए आने वाले दिन काफी मुश्किल भरे हो सकते हैं. हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक बरकरार है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का रुख इस पूरे केस को दिशा बदल सकता है।

### अफवाहों की आग में ईंधन संकट का भ्रम सच से दूर भीड़, व्यवस्था पर बढ़ता दबाव और जिम्मेदारी की कसौटी

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों पेट्रोल-डीजल को लेकर जो द्रुष्य सामने आए हैं, वे केवल आपूर्ति का मामला नहीं बल्कि मनोविज्ञान, सूचना और सामाजिक व्यवहार का भी प्रतिबिंब हैं। एक ओर सरकार और प्रशासन लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़, लंबी कतारें और कई जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यह पूरा घटनाक्रम हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर सूचना के इस युग में भी अफवाहें इतनी प्रभावी कैसे हो जाती हैं।

राजधानी लखनऊ से लेकर गाँडा, झांसी, कौशांबी और चित्रकूट जैसे जिलों में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों न न केवल अपने वाहनों में ईंधन भरवाया बल्कि बड़े-बड़े डिब्बों और ड्रमों में भी पेट्रोल-डीजल जमा करना शुरू कर दिया। लखनऊ के कठौता चौराहे पर सैकड़ों मीटर लंबी कतारें लगीं, जबकि गाँडा में तो स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लाइन में लगे लोगों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प तक हो गई।

यह दृश्य किसी वास्तविक संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि एक अफवाह का असर था। जैसे ही यह खबर फैली कि पेट्रोल-डीजल खत्म हो सकता है, लोगों में एक प्रकार का भय पैदा हो गया। यह भय ही भीड़ का सबसे बड़ा कारण बना। जब लोग

देखते हैं कि दूसरे लोग बड़ी मात्रा में ईंधन ले रहे हैं, तो वे भी उसी दिशा में कदम बढ़ा देते हैं। इसे सामूहिक व्यवहार की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्र सोच के बजाय भीड़ के व्यवहार का अनुसरण करता है।

हालांकि, दूसरी ओर कई जिलों में स्थिति पूरी तरह सामान्य भी रही। गाजियाबाद, मेरठ और वाराणसी जैसे शहरों से रिपोर्ट मिली कि वहां पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की किल्लत नहीं है और लोग सामान्य रूप से ईंधन ले रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या वास्तविक आपूर्ति की नहीं, बल्कि धारणा और सूचना की है। प्रदेश सरकार ने भी समय रहते स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सभी जिलों में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि जो लोग अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम आवश्यक भी है, क्योंकि झूठी जानकारी न केवल भ्रम फैलाती है, बल्कि व्यवस्था को भी बाधित करती है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू किसानों से जुड़ा हुआ है। गेहूँ की कटाई का समय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कन्नौज जैसे इलाकों में किसान

### दुनिया के बदलते शक्ति संतुलन में लंबा खिंचता युद्ध और भारत से उठती शांति की उम्मीद

मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष आज सिर्फ क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती देने वाला संकट बन चुका है। एक ओर ईरान है जो भारी नुकसान झेलने के बावजूद पीछे हटने को तैयार नहीं, वहीं दूसरी ओर इजराइल और अमेरिका हैं जो अपनी रणनीतिक और सैन्य ताकत के दम पर दबाव बनाए हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने दुनिया को एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या युद्ध किसी समस्या का समाधान हो सकता है या यह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है।

ईरान की वर्तमान रणनीति को समझना जरूरी है। वह यह युद्ध जीतने के लिए नहीं बल्कि अपने अस्तित्व को बचाने और दुश्मनों को यह संदेश देने के लिए लड़ रहा है कि उसे पूरी तरह खत्म करना आसान नहीं है। लगातार अपने शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व को खोने के बावजूद ईरान पीछे हटने के बजाय संघर्ष को लंबा खींच रहा है। यह रणनीति ‘युद्ध को महंगा बना दो’ की सिद्धांत पर आधारित है। यानी अगर दुश्मन को आर्थिक और राजनीतिक रूप से इतना नुकसान हो कि वह खुद ही समझौते की मेज पर आ जाए, तो ईरान अपने लक्ष्य को हासिल मानता है।

इस युद्ध का सबसे बड़ा असर ऊर्जा बाजार पर देखने को मिल रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य जो दुनिया के तेल व्यापार का एक बड़ा मार्ग है, अब तनाव का केंद्र बन चुका है। जहाजों पर हमले, तेल की कीमतों में उछाल और गैस सप्लाई में बाधा ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। यूरोप से लेकर एशिया तक ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ रही है। इससे यह स्पष्ट

## मिशन एलपीजी: होर्मुज संकट में

पर नई चाल चली है। इस बड़े सौदे की अगुवाई देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन कर रही है, जिसमें भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम भी साझेदार हैं। जिस समय देश के कुछ हिस्सों से रसोई गैस और ईंधन के लिए लंबी कतारों की खबरें आ रही थीं, उसी समय ‘सी बर्ड’ नाम के एक विशाल मालवाहक जहाज का भारत ऊर्जा है जिस पर भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था टिकी है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच भारत सरकार ने एक ऐसा साहसिक और रणनीतिक फैसला लिया है जिसने अंतरराष्ट्रीय गलियारों में हलचल मचा दी है। भारत आठ साल के लंबे अंतराल के बाद, भारत ने एक बार फिर ईरान से लिक्विडइंड पेट्रोलियम गैस यानी एलपीजी की खरीदारी शुरू कर दी है। यह फैसला महज एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की ‘रणनीतिक स्वायत्तता’ और अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर दिखाई गई दृढ़ता का प्रतीक है। जून 2018 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय तेल कंपनियों ने ईरानी बंदरगाहों को और रुख किया है। यह करे कि यह वही दौर था जब अमेरिका के कड़े प्रतिबंधों के चलते भारत ने ईरान से तेल और गैस लेना लगभग बंद कर दिया था, लेकिन आज जब पश्चिम एशिया की आग होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुँचने वाली है, तो भारत ने अपनी जरूरतों को सर्वोपरि रखते हुए कूटनीति की बिसात

# संपादकीय, स्वतंत्र विचार

### दूटैटर-टॉली में ड्रम लेकर डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। यह उनकी आवश्यकता है, लेकिन जब इसमें अफवाह का तत्व जुड़ जाता है, तो मांग असामान्य रूप से बढ़ जाती है और व्यवस्था पर दबाव पड़ता है।

कुछ जिलों में प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए विशेष कदम उठाने पड़े। कहीं-कहीं पेट्रोल की मात्रा पर सीमा तय की गई, तो कहीं पुलिस की शहरों से रिपोर्ट मिली कि वहां पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की किल्लत नहीं है और लोग सामान्य रूप से ईंधन ले रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या वास्तविक आपूर्ति की नहीं, बल्कि धारणा और सूचना की है। प्रदेश सरकार ने भी समय रहते स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सभी जिलों में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि जो लोग अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम आवश्यक भी है, क्योंकि झूठी जानकारी न केवल भ्रम फैलाती है, बल्कि व्यवस्था को भी बाधित करती है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू किसानों से जुड़ा हुआ है। गेहूँ की कटाई का समय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कन्नौज जैसे इलाकों में किसान

संकट नहीं कहा जा सकता। इस पूरे मामले में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जहां जिम्मेदार पत्रकारिता लोगों को सही जानकारी देती है, वहीं सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के फैलने वाली खबरें स्थिति

### कालीलाल मांडोट

टकराव की स्थिति में हैं, तब भारत एक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर हर उस देश पर पड़ रहा है जो वैश्विक बाजार से जुड़ा हुआ है।

इस बीच डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका भी सर्वालों के घेरे में है। उन्होंने पहले कई अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को रोकने का दावा किया था, लेकिन वर्तमान स्थिति ने उनके नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर विरोध बढ़ रहा है। कई सांसद और विश्लेषक मानते हैं कि यह युद्ध अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से लाभदायक नहीं है और इससे उसकी वैश्विक छवि को नुकसान हो रहा है। ट्रंप द्वारा ईरान से आत्मसमर्पण की मांग करना स्थिति को और जटिल बना रहा है क्योंकि इससे बातचीत के रास्ते संकुचित हो जाते हैं। यूरोप भी इस युद्ध से असहज है। जॉर्जिया मेलोनी सहित कई यूरोपीय नेताओं ने इस संघर्ष पर चिंता जताई है। उनका मानना है कि युद्ध के कारण वैश्विक अस्थिरता बढ़ रही है और इसका सीधा असर यूरोप की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर पड़ सकता है। इटली संभव कई देशों ने खुले तौर पर यह संकेत दिया है कि वे इस युद्ध का समर्थन नहीं करते और इसे जल्द खत्म करने की जरूरत है।

इसी संदर्भ में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण बनकर उभरती है। नरेंद्र मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में देखा जा रहा है जिनकी बात दुनिया के कई देश सुनते हैं। भारत की विदेश नीति परंपरागत रूप से संतुलित और संवादा आधारित रही है। भारत हमेशा युद्ध के बजाय शांति और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि आज जब दुनिया के बड़े देश आपस में

हालाँकि, एक तरफ जहाँ आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका ने आम आदमी को सर्शाकित कर दिया है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बहुत ही स्पष्ट और आश्वस्त करने वाला दावा पेश किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों के वास्तविक ईंधन भंडार मौजूद है। इसमें कच्चा तेल, रिफाईंड पेट्रोल और वह रणनीतिक भंडारण शामिल है जिसे भारत ने भूमिगत गुफाओं में आपात स्थिति के लिए बचाकर रखा है। सरकार का यह भी कहना है कि यदि हम अपनी कुल भंडारण क्षमता को देखें, तो भारत के पास 74 दिनों तक की जरूरतों को पूरा करने का सामर्थ्य है। यह डेटा उन लोगों के लिए एक बड़ी राहत है जो गैस की कमी की अफवाहों के चलते डरे हुए हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भले ही पश्चिम एशिया में संकट अपने 27वें दिन में प्रवेश कर चुका है, जो अमान और ईरान के बीच स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है, भारत के लिए किसी जीवन रेखा से कम नहीं है। भारत अपनी जरूरत की दो-तिहाई एलपीजी आयात करती है और उस आयात का 90 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। अगर युद्ध की आग इस रास्ते को बंद कर देती है, तो भारत की ऊर्जा व्यवस्था चरमसा सकती है। ऐसे में ईरान से सीधे गैस की खरीद करना उस जोखिम को कम करने की एक सोचो-समझी कोशिश है।

हालाँकि, एक तरफ जहाँ आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका ने आम आदमी को सर्शाकित कर दिया है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बहुत ही स्पष्ट और आश्वस्त करने वाला दावा पेश किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों के वास्तविक ईंधन भंडार मौजूद है। इसमें कच्चा तेल, रिफाईंड पेट्रोल और वह रणनीतिक भंडारण शामिल है जिसे भारत ने भूमिगत गुफाओं में आपात स्थिति के लिए बचाकर रखा है। सरकार का यह भी कहना है कि यदि हम अपनी कुल भंडारण क्षमता को देखें, तो भारत के पास 74 दिनों तक की जरूरतों को पूरा करने का सामर्थ्य है। यह डेटा उन लोगों के लिए एक बड़ी राहत है जो गैस की कमी की अफवाहों के चलते डरे हुए हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भले ही पश्चिम एशिया में संकट अपने 27वें दिन में प्रवेश कर चुका है, जो अमान और ईरान के बीच स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है, भारत के लिए किसी जीवन रेखा से कम नहीं है। भारत अपनी जरूरत की दो-तिहाई एलपीजी आयात करती है और उस आयात का 90 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। अगर युद्ध की आग इस रास्ते को बंद कर देती है, तो भारत की ऊर्जा व्यवस्था चरमसा सकती है। ऐसे में ईरान से सीधे गैस की खरीद करना उस जोखिम को कम करने की एक सोचो-समझी कोशिश है।

को बिगाड़ सकती हैं। आज के डिजिटल युग में हर व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि प्रसारक भी बन गया है। ऐसे में जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण सबक भी देती है। किसी भी संकट या संभावित संकट की स्थिति में संयम और विवेक सबसे जरूरी होते हैं। यदि लोग अफवाहों के आधार पर तैनाती कर दी गई। अंबेडकरनगर और बहाइच में पेट्रोल पंपों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन सक्रिय रहे। परी श्रावस्ती में डिब्बों में ईंधन देना वहाँ के विरोध में किसानों ने सड़क जाम तक कर दिया। यह दर्शाता है कि जब सूचना स्पष्ट नहीं होती, तो असंतोष और टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

सही जानकारी, संयमित व्यवहार और प्रशासन पर विश्वास—यही वे तीन आधार हैं, जिनके सहारे किसी भी ऐसी स्थिति से आसानी से निपटा जा सकता है।

### कालीलाल मांडोट

देती है। युद्ध के आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं होते, वे उन परिचारों की कहानी होते हैं जो हमेशा के लिए बदल जाते हैं।

ऐसे समय में यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से शांत युद्ध जैसी स्थिति की ओर बढ़ रही है। बड़ी शक्तियों के बीच टकराव, क्षेत्रीय संघर्ष और आर्थिक अस्थिरता इस दिशा की ओर संकेत करते हैं। अगर समय रहते कूटनीतिक प्रयास नहीं किए गए, तो यह संकट और गहरा सकता है।

भारत के लिए यह एक अवसर भी है और चुनौती भी। अक्सर इसलिए क्योंकि वह एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर सकता है, और चुनौती इसलिए क्योंकि उसे अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखते हुए संतुलन बनाए रखना होगा। ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दे भारत के लिए भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध किसी भी पक्ष के लिए स्थायी समाधान नहीं है। ईरान की रणनीति चाहे कितनी भी दृढ़ क्यों न हो और अमेरिका-इजराइल की ताकत कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंत में समाधान बातचीत से ही निकलेगा। दुनिया को आज ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो टकराव नहीं बल्कि संवाद को बढ़ावा दे। ऐसे में भारत और उसके नेतृत्व से उम्मीदें समादायक हैं।

यदि वैश्विक समुदाय समय रहते नहीं जागा, तो यह संघर्ष और बड़े संकट में बदल सकता है। लेकिन अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी गई, तो यह संकट एक नए और अधिक संतुलित विश्व व्यवस्था की शुरुआत भी बन सकता है।

कालीलाल मांडोट

# संपादकीय

## उर्वरक पर नियंत्रण, किसान पर भरोसा: क्या संतुलन बन पाएगा?

[ मिट्टी की कसौटी पर डिजिटल वादे: किसान आईडी की असली परीक्षा ]

खेत की मिट्टी अब केवल अन्न नहीं उगाती, वह उम्मीदों और व्यवस्थाओं की परीक्षा भी लेती है। इसी मिट्टी पर खड़े भारत के करोड़ों किसानों के सामने आज एक नया प्रयोग रखा गया है—किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति का डिजिटल तंत्र। यह पहल किसी साधारण योजना की तरह नहीं, बल्कि उस जटिल समस्या का समाधान बनने का दावा करती है, जिसने वर्षों से खेती को भीतर ही भीतर खोखला किया है—सब्सिडी का रिसाव, खाद की कालाबाजारी और असली किसान तक संसाधनों की अधूरी पहुंच। सवाल यह नहीं कि तत्परता और स्पष्टता के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। लेकिन यह घटना हमें यह जरूर सिखाती है कि अफवाहें कितनी खतरनाक हो सकती हैं और उनसे बचने के लिए समाज को कितना सजग रहना आवश्यक है।

सही जानकारी, संयमित व्यवहार और प्रशासन पर विश्वास—यही वे तीन आधार हैं, जिनके सहारे किसी भी ऐसी स्थिति से आसानी से निपटा जा सकता है।

### कालीलाल मांडोट

प्रेम एक छोटा-सा शब्द है, किन्तु इसकी गहराई और विस्तार अनंत है। यह केवल भावना नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण और निःस्वार्थता का जीवंत स्वरूप है। सच्चा प्रेम पाने के लिए मनुष्य को अपने अहं, स्वार्थ और वानसनाओं का त्याग करना पड़ता है। बिना त्याग और समर्पण के प्राप्त प्रेम केवल आकर्षण या भ्रम हो सकता है, परंतु वह कभी भी शाश्वत या पवित्र नहीं हो सकता। वास्तविक प्रेम में वाहना और स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। जहाँ स्वार्थ प्रवेश करता है, वहाँ प्रेम की पवित्रता समाप्त हो जाती है। इस सत्य को समझने के लिए भारतीय परंपरा में वर्णित आदर्श पात्रों के जीवन का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

पति-पत्नी के संबंध में राम और सीता का जीवन त्याग और समर्पण का

# संपादकीय

## उर्वरक पर नियंत्रण, किसान पर भरोसा: क्या संतुलन बन पाएगा?

उर्वरक की तय सीमा न केवल संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देगी, बल्कि मिट्टी की सेहत को भी सुरक्षित रखेगी। साथ ही, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के विस्तार से किसान को यह स्वतंत्रता मिलेगी कि वह अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का चयन करे। यह बदलाव केवल प्रक्रिया में नहीं, बल्कि सोच में भी परिवर्तन का संकेत देता है। इस पहल के संभावित लाभ निस्संदेह प्रभावशाली हैं। छोटे और सीमांत किसान, जो अक्सर बिचौलियों के शोषण का शिकार होते रहे हैं, अब सीधे लाभ के दायरे में आएंगे। उर्वरकों की कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा, जिससे बाजार में स्थिरता आएगी। एक ही आईडी के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से प्रशासनिक जटिलता कम होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान को अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा—वह अपनी भूमि, फसल और लाभ की पूरी जानकारी एक ही मंच पर देख सकेगा। यह डिजिटल सशक्तिकरण का वह रूप है, जो किसान को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि निर्णयकर्ता बनाता है। किन्तु हर उजाले के साथ कुछ छायाएं भी होती हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है। ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। कई किसान स्मार्टफोन, इंटरनेट या तकनीकी प्रक्रियाओं से परिचित नहीं हैं, जिससे वे इस प्रणाली में सहजता से शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, बटाईदार और किराएदार किसान, जिनके पास जमीन का औपचारिक दस्तावेज नहीं होता, इस व्यवस्था से बाहर रह सकते हैं। यदि तकनीकी प्रणाली तकनीक और कृषि का अनोखा संगम प्रस्तुत करती है, पॉइंट ऑफ सेल मशीनों के जरिए आधार प्रमाणीकरण के बाद ही खाद की खरीद संभव होगी, जिससे फर्जी खरीद पर रोक लगेगी। प्रति हेक्टेयर

प्रो. आरके जैन ‘अरिजीत’

# प्रेम: त्याग और समर्पण का शाश्वत सत्य

प्रेम एक छोटा-सा शब्द है, किन्तु इसकी गहराई और विस्तार अनंत है। यह केवल भावना नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण और निःस्वार्थता का जीवंत स्वरूप है। सच्चा प्रेम पाने के लिए मनुष्य को अपने अहं, स्वार्थ और वानसनाओं का त्याग करना पड़ता है। बिना त्याग और समर्पण के प्राप्त प्रेम केवल आकर्षण या भ्रम हो सकता है, परंतु वह कभी भी शाश्वत या पवित्र नहीं हो सकता। वास्तविक प्रेम में वाहना और स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। जहाँ स्वार्थ प्रवेश करता है, वहाँ प्रेम की पवित्रता समाप्त हो जाती है। इस सत्य को समझने के लिए भारतीय परंपरा में वर्णित आदर्श पात्रों के जीवन का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

पति-पत्नी के संबंध में राम और सीता का जीवन त्याग और समर्पण का

### कालीलाल मांडोट

सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। राजसी वैभव को त्याग कर बनवास का कठोर जीवन स्वीकार करना और हर परिस्थिति में एक-दूसरे के प्रति अटूट निष्ठा बनाए रखना, उनके प्रेम को अद्वितीय बनाता है। वहीं सखा रूप में कृष्ण और राधा का संबंध निस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा है। यह प्रेम भौतिक केवल आकर्षण या भ्रम हो सकता है, परंतु वह कभी भी शाश्वत या पवित्र नहीं हो सकता। वास्तविक प्रेम में वाहना और स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। जहाँ स्वार्थ प्रवेश करता है, वहाँ प्रेम की पवित्रता समाप्त हो जाती है। इस सत्य को समझने के लिए भारतीय परंपरा में वर्णित आदर्श पात्रों के जीवन का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

पति-पत्नी के संबंध में राम और सीता का जीवन त्याग और समर्पण का

सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। राजसी वैभव को त्याग कर बनवास का कठोर जीवन स्वीकार करना और हर परिस्थिति में एक-दूसरे के प्रति अटूट निष्ठा बनाए रखना, उनके प्रेम को अद्वितीय बनाता है। वहीं सखा रूप में कृष्ण और राधा का संबंध निस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा है। यह प्रेम भौतिक केवल आकर्षण या भ्रम हो सकता है, परंतु वह कभी भी शाश्वत या पवित्र नहीं हो सकता। वास्तविक प्रेम में वाहना और स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। जहाँ स्वार्थ प्रवेश करता है, वहाँ प्रेम की पवित्रता समाप्त हो जाती है। इस सत्य को समझने के लिए भारतीय परंपरा में वर्णित आदर्श पात्रों के जीवन का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

पति-पत्नी के संबंध में राम और सीता का जीवन त्याग और समर्पण का

### कालीलाल मांडोट

मात्रा में उर्वरक मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर सख्त नियमों के कारण लचीलापन कम होने का डर भी है। बड़े किसानों के लिए यह व्यवस्था कुछ हद तक प्रतिबंधात्मक हो सकती है, लेकिन छोटे किसानों के लिए यह एक सुरक्षा कवच बन सकती है। संतुलित उर्वरक उपयोग से उत्पादन में वृद्धि और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार संभव है, जिससे दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। परंतु यदि आईडी बनाने या उसे सक्रिय करने में देरी हुई, तो किसान के सामने तत्काल संकट खड़ा हो सकता है। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए इस पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है। उर्वरक उत्पादन और आपूर्ति पर अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का सीधा प्रभाव पड़ता है, जिससे भारत जैसे देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में यदि देश के भीतर वितरण प्रणाली मजबूत और पारदर्शी हो जाए, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव है। किसान आईडी इस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान कर सकती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को स्थिरता मिले और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती।

किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति की यह पहल एक विचार से अधिक, एक परीक्षा है—नीतियों की, क्रिया-न्वयन की और सबसे बड़कर, विश्वास की। यदि सरकार डिजिटल अंतर को पाटने, हर वर्ग के किसान को शामिल करने और जमीनी स्तर पर सहायता सुनिश्चित करने में सफल होती है, तो यह पहल कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला सकती है।

लेकिन यदि यह केवल आंकड़ों और घोषणाओं तक सीमित रह गई, तो यह भी उन योजनाओं की सूची में शामिल हो जाएगी, जो शुरू तो बड़े वादों के साथ हुईं, पर अंत में किसानों की उम्मीदों को अधूरा छोड़ गईं। अब निर्णय खेत की मिट्टी करेगी—कि यह बदलाव वास्तविक है या सिर्फ एक और प्रयोग।

प्रो. आरके जैन ‘अरिजीत’

## कालीलाल मांडोट

गुजरते हुए भी उनका विश्वास डगमगाया नहीं। अंततः उनका अस्तित्व कृष्ण में विलीन हो गया यह सच्चे समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। इतिहास और आस्था इस तथ्य के साक्षी हैं कि वासना रहित, निस्वार्थ और समर्पित प्रेम कालातीत हो जाता है। यही कारण है कि राम, सीता, राधा, कृष्ण और मीरा आज भी केवल ऐतिहासिक या पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग और समर्पण के शाश्वत आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं। अंततः यह स्पष्ट है कि सच्चा प्रेम त्याग और समर्पण की मांग करता है। जब प्रेम इन तत्वों से परिपूर्ण होता है, तभी वह पवित्र बनकर समाज में आदर्श और प्रेरणा का स्रोत बनता है।

अरविंद रावल



**संक्षिप्त खबरें**

**थुलवासा में 26 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस**



**महाराजगंज (रायबरेली) -** महाराजगंज कोतवाली क्षेत्र के थुलवासा गांव में एक 26 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। युवक ने यह कदम उठाने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर अपनी मानसिक पीड़ा व्यक्त की थी। घटना शुक्रवार सुबह सामने आई, जब उसका शव फंदे से लटका मिला। मृतक युवक उमेश यादव 26 वर्ष पुरे रतन का पुरवा, ग्राम थुलवासा निवासी छेदीलाल यादव का पुत्र है। उसका शव घर से कुछ दूरी पर स्थित मुर्गा बाड़े में फंदे से लटका हुआ पाया गया। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, उमेश पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। गुरुवार रात करीब 12 बजे उमेश ने सोशल मीडिया के फेसबुक पेज पर लाइव आकर अपनी व्यथा साझा की थी। इसके कुछ ही समय बाद उसने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर महाराजगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि युवक का शव मुर्गा बाड़े में फंदे से लटका मिला है। शुरुआती जांच में यह पुलिस युवक की सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

**बेमौसम बारिश से बड़ी किसानों की चिंता, बाजार भी रहा प्रभावित**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बा और आसपास के क्षेत्र में शुक्रवार शाम अचानक मौसम ने करवट ले ली। तेज गरज-चमक के साथ शुरू हुई बारिश ने जहां लोगों को चौंका दिया, वहीं किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ था। आसमानी में घने बादल छाए रहे और दोपहर के समय हल्की बूंदाबांदी होती रही। शाम करीब छह बजे काले बादल अचानक घिर आए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश का असर बाजार में भी साफ नजर आया। पटरी दुकानदार अपने सामान को बचाने में जुट गए, जिससे कुछ समय के लिए बाजार में सन्नाटा छा गया। सबसे ज्यादा



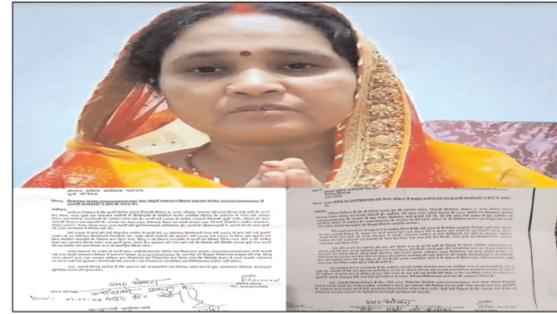
परेशानी किसानों को हो रही है। खेतों में गेहूं की फसल पककर तैयार खड़ी है। ऐसे में बारिश से फसल के भीगने और गिरने का खतरा बढ़ गया है, जिससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। प्रगतिशील किसान मुकेश त्रिवेदी के अनुसार, बेमौसम बारिश फसल के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है, क्योंकि गेहूं पूरी तरह पक चुका है। वहीं किसान रामराज यादव का कहना है कि यदि बारिश लगातार जारी रही तो फसल गिर सकती है और दानों की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। इसके बाद उन्होंने किसान अब तक सरसों की मड़ई भी नहीं कर पाए हैं, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है।

**सोनभद्र की बड़ी खबर IGRS शिकायत के बाद भी नहीं मिला न्याय**

**● करोड़ों के खेल का आरोप हिस्सेदारी हड़प्पी, वेतन शेका, पुलिस पर लीपापोती के आरोप**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश -** जनपद के ओबरा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक पीड़ित ने अपने ही सहयोगियों पर गंभीर धोखाधड़ी, आर्थिक शोषण और उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है, क्योंकि शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित दिनेश यादव, निवासी सेक्टर-9, ओबरा, ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि वह वर्ष 2008 से सस्ताई ऐश पैकेजिंग मशीनों में कार्यरत हैं। इस दौरान उन्होंने न केवल पूरी जिम्मेदारी से काम किया, बल्कि अपनी निजी पूंजी भी इस कार्य में निवेश की।



**IGRS और समाधान दिवस भी बेअसर**

पीड़ित ने इस मामले की शिकायत दृष्टकॉर्पोरल (शिकायत संख्या 20020026000382) और संपूर्ण समाधान दिवस में भी दर्ज कराई। इसके अलावा थाना ओबरा में भी लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया। लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई गई और मामले को 'आपसी विवाद' बताकर टाल दिया गया।

**मानसिक उत्पीड़न और दबाव का आरोप**

जब पीड़ित ने अपने हक की मांग की, तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और उन्हें मानसिक व सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पीड़ित का कहना है कि वह लगातार न्याय के लिए भटक रहे हैं, लेकिन प्रभावशाली लोगों के कारण उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन की निष्क्रियता पर उठे

**सवाल**

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल प्रशासन की भूमिका को लेकर उठ रहा है। बार-बार शिकायत के बावजूद अगर कार्रवाई नहीं होती, तो आम जनता का भरोसा व्यवस्था से उठना स्वाभाविक है।

**निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग**

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें उनका हक मिल सके।

**बड़ा सवाल**

क्या प्रभावशाली लोगों के आगे सिस्टम बेवस है? क्या पीड़ित को मिलेगा न्याय या यूं ही फाइलों में दब जाएगा मामला?

यह मामला अब केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पारदर्शिता और न्याय व्यवस्था की परीक्षा बन चुका है।

**दुष्कर्म पीड़िता ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए राज्य महिला आयोग और सीएम पोर्टल पर शिकायत कर कार्रवाई की लगाई गुहार**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**हलिया, मीरजापुर।** इमंडगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 15 दिन बाद भी दुष्कर्म आरोपी युवक के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होने पर गुरुवार को राज्य महिला आयोग व सीएम पोर्टल पर शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। दिनेश यादव ने आरोप लगाया कि इससे पहले आरोपित फोन पर अश्लील बातें करता था जिसका विरोध करने पर मुझे अकेली देखकर मेरे

सरहंग किस्म का व्यक्ति है। घटना के 15 दिन बीत जाने के बाद भी इमंडगंज पुलिस पकड़ लिया। विरोध करने पर जमीन पर पटककर अश्लील हरकत करने लगा और जबरन दुष्कर्म किया। शोरगुल मचाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो हत्या करने की धमकी देते हुए भाग गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इससे पहले आरोपित फोन पर अश्लील बातें करता था जिसका विरोध करने पर मुझे अकेली देखकर मेरे

**नवरात्र के अष्टमी को माँ गंगा महा आरती में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**विंध्याचल।** पक्का घाट पर विन्ध्य विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित नवरात्र के अष्टमी को माँ गंगा महा आरती में मुख्य अतिथि के रूप में नगर मजिस्ट्रेट/सचिव अविनाश कुमार सफल व बच्चे के साथ शामिल हुए गंगा आरती के पहले मुख्य अतिथि को आरती प्रमुख रामानन्द तिवारी व टीम द्वारा संकल्प व माँ गंगा का विशेष पूजन कराकर महाआरती प्रारंभ किया गया जिसमें अर्चक व मुख्य अतिथि के साथ एक सौ एक रिद्धि सिद्धि के रूप में कन्याओं ने आरती की थाली लेकर माँ गंगा की आरती उतारी नगर मजिस्ट्रेट/सचिव अविनाश कुमार ने कहा की माँ गंगा आरती को नवरात्रि बाद आरती को और भव्य रूप व सजावट



कराया जाएगा सभी परिवार के साथ शामिल होकर बहुत अच्छे लगा माँ की कृपा बनी रहे यही कामना है पश्चात मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व माँ गंगा का चित्र देकर सम्मान किया गया आरती में मुख्य रूप से गंगा आरती प्रमुख रामानन्द तिवारी, जितेन्द्र मिश्रा, प्रशांत उपाध्याय, धीरज तिवारी, आनन्द तिवारी, दिनेश गुप्ता, गगन माली, रितिक गुप्ता, विश्वनाथ साहू, हिमांशु मिश्रा, राज तिवारी, रामजी माली, रमेश, व श्रद्धालु भक्त शामिल हुए।

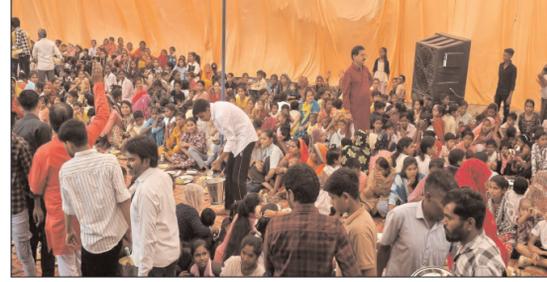
**धूमधाम से निकला रामनवमी का जुलूस**

**मिर्जापुर, अहरौरा।** नगर छेत्र में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामनवमी का जुलूस निकाला गया। रथ पर सवार श्री रामचंद्र जी के साथ समस्त नगरवासी भगवा झंडा हाथ में लिए हुए श्री रामचंद्र की जय का उद्घोष करते हुए नगर भ्रमण किया। डीजे के धुन पर नाचते गाते राधा कृष्ण मंदिर स्थल से जुलूस निकलकर नई बाजार, चौक बाजार, तकिया, खड़ुंजा, सम्मथर से होते हुए पुनः राधा कृष्ण मंदिर स्थल के लिए खाना हो गए। व्यवस्था भी चाक चौबंद रही। जुलूस के साथ क्षेत्राधिकारी के साथ अहरौरा थाना के एस एच ओ अजय मिश्रा अपने दल बल के साथ मौजूद रहे।

**श्रीरेतेश्वर धाम में चैत्र रामनवमी के पावन पर्व पर हुआ भव्य कन्यापूजन एवं भोज का आयोजन**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लखनऊ।** बंधरा के बनी गांव स्थित श्रीरेतेश्वर धाम में चैत्र रामनवमी के पावन पर्व पर वरिष्ठ भाजपा नेता शंकरी सिंह ने राम शंकर सिंह मतोले के साथ 5100 कन्याओं का भव्य कन्या पूजन एवं भोज आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत सह राष्ट्रीय संगठन सचिव संजय मिश्रा के हाथों से पाँच कन्याओं को बर्तन, भोजन, दक्षिणा, चुनरी भेंट कर की गई। इसके बाद श्री शंकरी सिंह एवं श्री राम शंकर सिंह मतोले ने पूजा-पाठ कर कन्याओं के चरण पखारे, उनकी आरती उतारी और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने कन्याओं को चुनरी, थाली, दक्षिणा तथा लजीज व्यंजनों से सम्मानित किया। भोज में शाही पनीर, खोला, चावल, स्वादिष्ट खीर और हलुवा परोसा गया। इस अवसर पर, शंकरी सिंह ने कहा, 'प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र रामनवमी पर कन्या पूजन एवं भोजन कराना मेरे लिए बहुत पुण्य का कार्य है।



कन्या में माता रानी का स्वरूप होता है, इसलिए उनका पूजन एवं सम्मान करना हमारा सनातन धर्म है। भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर यह सेवा हमें अत्यंत प्रसन्नता प्रदान करती है।' कार्यक्रम में सह राष्ट्रीय संगठन सचिव संजय मिश्रा जी भाई साहब, प्रोफेसर सुशील पांडेय, विधायक कार्यालय प्रभारी पूर्व पार्षद रामशंकर त्रिपाठी, पार्षद के 0 एन 0 सिंह, प्रधान बनी रमेश गुप्ता, पूर्व प्रधान राकेश सिंह, विनय दीक्षित, पार्षद मनोज रावत, पूर्व प्रधान सराय सहजादी राजेश सिंह, विकास सिंह, शिव नारायण सिंह, पूर्व

**रामनवमी पर रिहंदेश्वर धाम में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बीजपुर / सोनभद्र -** बीजपुर एनटीपीसी परिसर में स्थित प्रसिद्ध रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में नवरात्रि एवं रामनवमी उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। उन्नीस मार्च को कलश स्थापना के साथ प्रतिदिन सुबह चंडी पाठ एवं सायं श्री रामचरित मानस पाठ (नवाह परायण) विद्वान पंडितों के द्वारा किया गया। बीस मार्च को नवरात्रि एवं नववर्ष पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक श्रद्धालुओं एवं विद्वत जनों ने भाग लिया। 21 मार्च को स्थानीय कलाकारों द्वारा भव्य देवी जागरण किया गया। सैकड़ों की संख्या में भक्तजनों ने देवी जागरण में भाग लेते हुए भक्तिरस का आनंद लिया। 22 मार्च को मंदिर समिति ने विद्यार्थियों के लिए धार्मिक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें अलंकृत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। 23 मार्च को श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से मंदिर परिसर में मंत्र जाप किया गया। 24 मार्च को भव्य रूप से सुंदरगांड का आ आयोजन किया गया और भक्तों एवं श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। 25 मार्च को देवी स्तुति प्रतियोगिता में अनेक छात्र-छात्राओं



एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया जिसमें डीएवी की छात्रा कश्मिर उपाध्याय को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। वैभव विश्वकर्मा ने वाद्ययंत्र बजाकर सबका मन मोह लिया। 26 मार्च को साहित्यिक अंताक्षरी प्रतियोगिता में रीतिका शुक्ला को प्रथम घोषित किया गया। 27 मार्च को प्रातः चंडी पाठ एवं श्री रामचरितमानस पाठ के समापन के बाद हवन पूर्णाहुति, ध्वज पूजन तथा कन्या पूजन किया गया। नौ कन्याओं के पूजन के उपरांत लगभग सौ कन्याओं को भोजन कराया गया एवं दक्षिणा दिया गया। बारह बजे भय प्रकट कृपाला दीन दयाला भजन के साथ श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। तदुपरांत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने परियोजना प्रमुख संजय

असाठी के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव खेड़ा, उपाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, उपमहाप्रबंधक निशांत कमल, राकेश राय, प्रमोद द्विवेदी, संजय कुमार के साथ मंदिर समिति के सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। इस कार्यक्रम में डीएवी के प्राचार्य राजकुमार के साथ सोनभद्र जिले के विभिन्न क्षेत्रों जैसे खड्डिया से पधारे ए एम सिंह, संदीप कुमार, राबर्टसगंज के पवन कुमार, ओबरा से रिचा वाजपेई, विनिता जायसवाल, प्रियंका शुक्ला, गुरुप्रीत कौर, रेणुकट की सीमा सिंह आदि ने भी रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में दर्शन पूजन के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।

**जिला कारागार सोनभद्र का औचक निरीक्षण, बंदियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु कड़े निर्देश**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश -** जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा जिला कारागार का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ-साथ बंदियों की कानूनी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सुना गया। प्रातः कालीन गणना के अनुसार, कारागार में बंदियों की कुल संख्या 756 दर्ज की गई, जिसका विवरण निम्नवत है: सिद्धदोष पुरुष बंदी 159, विचाराधीन पुरुष बंदी 557, सिद्धदोष महिला बंदी 04, विचाराधीन महिला बंदी 36, निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश ने प्रत्येक बैरक का भ्रमण किया और बंदियों से संवाद किया। उन्होंने विशेष रूप से पूछा कि क्या उनके पास मामलों की पैरवी हेतु अधिवक्ता उपलब्ध हैं। जन बंदियों के पास अपना अधिवक्ता नहीं है, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाएगी। जमानत, पेशी की तारीख और सरकारी अधिवक्ता से संबंधित शिकायतों पर न्यायाधीश महोदय ने सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जेल अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक को त्वरित समाधान सुनिश्चित



करने के निर्देश दिए। बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी को देखते हुए जेल प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। मच्छरों के प्रकोप और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि बंदियों का समय-समय पर मेडिकल उपलब्ध हैं। यदि कोई बंदी अस्वस्थ दिखे, तो तत्काल कारागार चिकित्सक को सूचित किया जाए। जिला कारागार अस्पताल की साफ-सफाई जांची गई और वहां भर्ती बंदियों से दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली गई। ड्यूविजिटर बोर्ड द्वारा जेल की पाकशाला (किचन) का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया

**जगत जननी मां जगदम्बा की उपासना का महापर्व नवरात्र सकुशल संपन्न**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**सीखड़।** जगत जननी मां आदि शक्ति का महापर्व नवरात्र मेला शासन प्रशासन के कुशल नेतृत्व में सकुशल संपन्न हो गया। क्षेत्र में स्थित अदलपुरा शीतला धाम श्रद्धालुओं की आस्था की केन्द्र रहा। नवरात्र के नव दिनों में लाखों श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में पहुंच कर मत्था टेका और मन्तने मांगी। जिन श्रद्धालुओं की मां मन्तने पूरी की उनके द्वारा मां को विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित कर

दिर्घायु होने की कामना की गई। नवरात्र के आखिरी दिन नवमी तिथि को भी अदलपुरा शीतला धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। दराज से आए श्रद्धालुओं ने अष्टमी से ही धाम में डेरा डाले हुए थे जो नवमी को गंगा स्नान कर मां का विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन कर अपने गृह जनपद के लिए प्रस्थान किये। नवरात्र मेला में साफ सफाई स्वच्छता बनी रहें इसके लिए नोडल अधिकारी मुकेश मिश्रा, उमेश यादव, सूधीर दूबे सफाई कर्मियों के साथ काफी मेहनत



